HISTORY

१

पाण्डुलिपियों के बनाने में चित्रकारों का योगदान
(Involvement of painters in the production of Manuscripts)

मुगल इतिहास की दो रचनाएँ अकबरनामा तथा बादशाहनामा, बहुत प्रसिद्ध हैं। इनमें से प्रत्येक रचना में 150 पृष्ठों में पूरे पृष्ठ पर लड़ाई, किलों पर अधिकार, शिकार, भवन निर्माण करने वाले तथा दरबार के दृश्य हैं। अकबरनामा में अकबर के शासनकाल के पूरे घटनाओं का वर्णन है। यह रचना दरबारी इतिहासकार अबुल-फजल ने राजा के आदेश पर लिखी। इस रचना ने आठ भागों का राजा ने स्वयं निरीक्षण किया। यह रचना अन्य लेखों की सीमा से ऊपर है।

अबुल फज़ल ने अरबी, यूनानी दर्शन तथा सूफीमत का बहुत अध्ययन किया। इसके अतिरिक्त वह एक बहुत अच्छा शास्त्रार्थ करने वाला तथा स्वतंत्र विचारक था। जिसने बलपूर्वक कट्टरपंथी के विचारों का खंडन किया। उसकी इन विशेषताओं से प्रभावित होकर अकबर ने उसे ~~सलाहकार~~ परामर्शदाता तथा अपने दरबार

प्रवक्ता नियुक्त किया। इस कार्य के लिए अकबर को एक स्वतंत्र उद्देश्य यह भी था कि राज्य को धार्मिक कट्टरपंथियों के प्रभाव तथा नियंत्रण मुक्त रखा जाए। दरबारी इतिहासकार होने के कारण, अबुल फज़ल ने अकबर के शासन से जुड़े हुए आदर्शों का प्रचार किया। अकबरनामा तीन खंडों तथा पुस्तकों (daftar) में विभाजित है। पहले दो खंडों में ऐतिहासिक घटनाओं का वर्णन है। इसकी तीसरी पुस्तक आइन-ए-अकबरी है। पहले खंड में आरंभ से अकबर के जीवन के 30 वर्षों तक का वृतांत है। दूसरे खंड में अकबर के शासन काल की 46वीं वर्ष (1601) ई तक की घटनाओं का वर्णन है। राजकुमार सलीम ने अबुल फजल के विरुद्ध षड्यंत्र रचा था 1602 ई० में वीर सिंह बुंदेला ने उसकी हत्या कर दी।

तीसरी खंड आइन-ए-अकबरी, अकबर के सरकारी नियमों तथा उसके विभिन्न स्तरों कि जानकारी देने के लिये लिखा गया। इसमें लोगों विभिन्न व्यवसायों के बारे में वर्णन है। इसके साथ-साथ शाही दरबार अमीरों और उच्च वर्ग की गतिविधियों का भी वर्णन किया गया। मुगल साम्राज्य के भौगोलिक सामाजिक प्रशासनिक तथा सांस्कृतिक पहलुओं के बारे में वर्णन है।